आप के बच्चे के लिये खेलकूद महत्वपूर्ण है

कीड़ागृह [Fritidshem] के बारे में जानकारी

Skolverket
Swedish National Agency for Education

PAULINE ST DENIS/FANCY

कीड़ागृह आपके बच्चे के लिये ही है

माता पिता के नाते आप अपने बच्चे के सबसे निकट हैं। इस लिये यह आवश्यक है कि आप अपने विचार कीड़ागृह के कार्यकर्ता और अध्यापकों के सामने रखें। यह विचार बच्चे की उन्नती, क्लास, बच्चे का स्वागत कैसे होता है इत्यादि के बारे हो सकते हैं। इस से उनको बच्चे की आवश्यकता पूरी करने मे सहायता मिलती हैं।

आपना सहयोग और विचार देने के लिये आवश्यक है कि आपको मालुम हो कि कीड़ागृह कैसे चलता हैं।

कीड़ागृह कैसे चलता हैं ?

कीड़ागृह स्कूल के कानून द्वारा चलता हैं। कानून कहता है कि कक्षा कितनी बडी होनी चाहिये, भवन कैसा होना चाहिये, कार्यक्रम इत्यादि कैसे तय करना चाहिये। हर बच्चे की जरूरत कैसे पूरी करनी चाहिये। कानून यह भी कहता है कि कीड़ा घर के कर्मचारी कितने पढ़े लिखे होने चाइियें और उने कितना तजुरबा होना चाहिये।

सरकार द्वारा तय किया गया सालाना सिलेबस भी कीड़ाघर को काम का आधार बनाना चाहिये। नर्सरी और स्कूलों में भी यह सिलेबस लागू होते हैं। कानून में समाज का कीड़ागृह का मुल्यांकन और स्कूल और नर्सरी का लक्ष्य और ज़ुम्मेवारी के बारे मे आदेश रहता हैं। सिलेबस पढ.ने के बाद आपको माता पिता के नाते कीड़ागृह पर आशा और मांग करने के बारे मे मालुम होगा।

कानून के मुताबिक हर कम्यून को 12 साल तक बच्चे के लिये कीड़ागृह मे जगह देना आवश्यक है। 10 से 12 वर्श तक बच्चे को कीड़ागृह मे रजिस्टर करवाना अनिवार्य नही। इस आयू के बच्चे अपनी इच्छा अनुसार कीड़ागृह मे आ सकते हैं। यह उन बच्चों के लिये है जिन को अनिवार्य देखरेख की आवश्यकता नही है।

कम्यून के अधिकारी या निजी क्रीड़ागृह के मालिक की ज़ि़म्मेवारी है कि क्रीड़ागृह के चलाने की योजना बनाई जाए और उसका मुल्यांकन किया जाये। क्रीड़ागृह के कर्मचारियों से सम्पर्क करें कि आप और आपके बच्चे मुल्यांकन में भाग कैसे ले सकते हैं।

SUSANNE KRONHOLM/ETSA

MASKOT/MARTIN BOTVIDSSON

सार्थक क्रीड़ा और बच्चे की उन्नती में सहारा

स्कूल कानून के अर्न्तगत क्रीड़ागृह की ज़ुम्मेवारी है कि बच्चे को सार्थक क्रीड़ा और उन्नती में सहायता दे। इस के लिये क्रीड़ागृह का वातावरण सुरक्षित, मनोरजंक और प्रोत्साहन देने वाला होना चाहिये। खेलकूद और शारीरिक गतिविधि के लिये अलग समय आवश्यक है। बच्चे की आयू , प्रौड़ता , आवश्यकता, दिलचस्पी और अनुभव के आधार पर बच्चे के लिये कार्यक्रम बनाना चाहिये। क्रीड़ागृह की गतिविधि बच्चे के अनुसार ही बनाई जानी चाहिये।

बच्चे की पड.ाई में क्रीड़ागृह की आवश्यक भूमिका है क्योकि बच्चे सारा दिन क्रीड़ागृह में रहते और सीखते है। क्रीड़ागृह के कर्मचारियों का काम है कि खेलकूद और देखरेख दोनो का सांझा योग दें। जैसे कि बच्चे को समाज में निर्भर करना, भिन्न भिन्न लोगों का आदर करना और दूसरों के विचारें का आदर करना और यह बात याद रखना है कि कभी कभी जीवन मे समझौता करना भी आवश्यक है।

क्रीड़ागृह स्कूल की पूर्ती करता है।

स्कूल और क्रीड़ागृह के कर्मचारी इकट्ठा काम करते हैं ताकि आपके बच्चे के ज्ञान में वृद्धि हो और उसके गुणों में बढ़ौती हो। स्कूल की तरह क्रीड़ागृह भी कोशिश करता है कि आपके बच्चे को प्रोत्साहन मिले और बच्चे की दिलचस्पी और सीखने की इच्छा को बढ़ौतरी मिले।

क्रीड़ागृह स्कूल की दो प्रकार से पूर्ती करता है :

समय के अनुसारः स्कूल के समय के बाद बच्चों की निगरानी रखता है। छुट्टीयों के दिनों में भी बच्चों की निगरानी रखता है। इस के रहते आप काम या पढ़ाई इत्यादि कर सकते है और बच्चे ०यस्त रहते है।

विशय के अनुसारः वह सब ज्ञान और अनुभव बच्चों को देता है जो स्कूल मे नहीं मिलता है।

CORBIS

बच्चों का क्रीड़ागृह में भाग लेना और कार्यक्रम पर प्रभाव डालना

आपके बच्चे का अधिकार है कि वह क्रीड़ागृह के काम और गतिविधि के बारे में आपने विचार दे। अपने विचार सब के समक्ष ररवने से बच्चे को पता चलेगा कि प्रजातत्रं कैसे चलता है। बच्चों को योजना की बैठक मे भाग लेना चाहिये ताकि वह अपने विशय पेश कर सके और गतिविधियों का मुल्यांकन कर सके। क्रीड़ागृह के कार्यकर्ताओं से इस के बारे में बात करें ताकि आपके बच्चों को अपने विचार सामने रखने में प्रोत्साहन मिले।

MATTON

आप प्रभाव डाल सकते है

क्रीड़ागृह में आपके बच्चों को सुरक्षित महसूस करने के लिये आवश्यक है कि क्रीड़ागृह के कर्मचारी और बच्चों के माता पिता के मध्य मे अच्छा सहयोग हो। पाठयक्रम में लिखा है कि क्रीड़ागृह के कर्मचारी और बच्चों के माता पिता के मध्य सहयोग के द्वारा क्रीड़ागृह की गतिविधि विकसित की जाए। आप क्रीड़ागृह के कर्मचारियों से बच्चों को छोड.ने या ले जाने के समय या बच्चों की उन्नती के बारे मे बैठक के समय बातचीत कर सकते है।

आप अपने विचार और राय कम्यून के अधिकारियों को भी दे सकते है।

ROY MCMAHON/CORBIS

अतिरिक्त जानकारी के लिये और क्रीड़ागृह की विशेशता किस पर निर्भर करती है जानने के लिये पुस्तिका Skolverkets Allmäna råd och kommentar पढे.। पुस्तिका सभी क्रीड़ागृह में उपलभ्ध है. आप इस पुस्तिका की अपनी प्रति Fritzes kundservice से भी मंगवा सकते हैं या www.skolverket.se से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

Skolverket

www.skolverket.se